Lecture No.-23/22-09-2020

Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date:-
to Next class

Models of Psychology

Psychopathologies of Everyday Life
दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ

(1) अनजाने में की गयी क्रियाएं (Unconsciously carried out actions):- अक्सर ऐसा होता है कि हम चेतन रूप से जो करना चाहते हैं, उसके बदले में हम कोई दूसरी क्रिया कर बैठते हैं और जब इन गलतियों का हमें ज्ञान होता है तो इसका हमें कोई अर्थ ही समझ में नहीं आता है। जैसे हम किसी व्यक्ति को 100 रुपये का नोट देना चाहते हैं, परन्तु भूलवश उसे 200 रु का नोट दे देते हैं। हम अपने परिचित व्यक्ति से मिलने जाते हैं और अपना कलम, रुमाल, चश्मा, आदि अनजाने में छोड़ देते हैं या कभी कभी अपने मित्र से अपने कलम हस्ताक्षर करने के लिए (या कुछ लिखने के लिए) माँगते हैं और फिर उसे अपने जेब में रखकर चले आते हैं। इन सभी तरह की गलतियाँ जो अनजाने में होते दिख पड़ती है, के पीछे अचेतन दमित इच्छाएं प्रबल होती है। ब्रिल (Brill) ने इसका एक अच्छा उदाहरण दिया है- एक डॉक्टर अपने चाचा के प्रति तीव्र घृणा एवं द्वेष भाव अधिक थी। एक बार उसका चाचा भयंकर रूप से बीमार पड़ गया तो उस डॉक्टर ने भूल से 'डिजीटालिस' नामक दवा के जगह 'हायोसीन' नामक दवा दे दी जिससे उसके चाचा की मृत्यु हो गयी। स्पष्ट है कि इस भयानक भूल

के पीछे डॉक्टर के मन में चाचा के प्रति तीव्र घृणा एवं द्वेष भाव थी। जोन्स (Jones) ने इसी तरह का एक उदाहरण अपने दैनिक जीवन में दिया है। इन्होंने सिगरेट का एक नया डिब्बा खरीदा परन्तु उनके पास के डिब्बे में भी कुछ सिगरेट बची हुई थी। वे नये डिब्बे का सिगरेट पीना चाहते थे परन्तु चूंकी ऐसा करने से पहले वाला सिगरेट बेकार हो जाता, अतः वे इस बचे हुए सिगरेट को ही पहले पीने का निश्चय कर रखे किताब पढ़ने लगा। किताब पढ़ने में तल्लीन रहने के कारण वे भूल से नये डिब्बे का सिगरेट पीना प्रारंभ कर दिया। स्पष्ट है कि यहाँ जोन्स ने नये डिब्बे का सिगरेट पीकर अपनी उस दमित इच्छा की पूर्ति किया जिसके अनुसार वे सचमुच में नये डिब्बे का ही सिगरेट पीने की ठान रखी थी। हमारे दैनिक जीवन में अक्सर देखा जाता है कि पत्नी पति से पत्नी ने कोई चीज मंगायी परन्तु पति महोदय और चीज तो लाये लेकिन पत्नी द्वारा मंगायी चीज को लाना भूल गये। इसकी सफाई में पति महोदय चाहे जो भी कहे तो परन्तु फायदा तो यही कहेंगे की पति के अचेतन में पत्नी द्वारा मंगायी गई वस्तु के प्रति तुच्छता या घृणा की भाव थी।

Next class